प्रश्न - पेपर ७   ता· २०।८।८५

पंचसंग्रह द्वार - २   मार्क्स ५०

प्र·१ नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो । गमे ते १6

(1) गाथामां आवेल प्रश्नो जवाब साथे लखो, तथा ते सवास जवाबथी थतां खंडन - जणावो ।

(२) असाधारण स्वरूपनी व्याख्या लखी पांचभावना त्रिसंयोगी भांगा लखो ।

(3) सान्निपातिक भावनी व्याख्या लखी बालवीर्यादि त्रण प्रकारनी व्याख्या लखो ।

(4) सान्निपातिक भावना गत्याश्रित केटला भांगा घटे ? अने ते केवी रीते ?

(5) तेउकायनी व्याख्या लखी एकेन्द्रियना २२ भेदमांथी १ शरीरमां १ जीववाला तथा देखाय तेवा केटला ?

(6) सप्तसंयोगी भांगा लखी चतुःसंयोगी एक अनेकना केटला भांगा थाय ?

(7) प्रतर - श्रेणीनी व्याख्या लखी पृथ्वीकायादि पांचकायनुं अल्पबहुत्व सकारण जणावो ।

(8) गा· 16 मां मूकेल 'च' शब्द शुं सूचवे छे ? ते जणावी प्रज्ञापनाजी मां बतावेल प्रथम अने अन्तिम बोल जणावो

(9) गाथा 18 शा माटे ? ते गाथानो तात्पर्यार्थ जणावो ।

(10) यमलपदनी व्याख्या लखी ५ यमलपदप्रमाण मनुष्य केम नहीं ? ते जणावो ।

(11) ज्ञानावरणीय ने दबावनारा आत्मा एकी साथे केटला प्राप्त थाय ? ते जणावी उपशमश्रेणि आश्रयी कुल जीवो केटला ? वधु केम नहीं ।

(१२) कया- कया समुद्घात मां नवीनकर्मग्रहण घटे ते जणावी गतिमां समुद्घातनी घटना करो ! न घटता ना कारण लखो ।

(13) सं· भुजपरिसर्प नी उ· आयुः जणावी त्रणसागरोपमनुं जघन्य आयुः कोनुं छे ।

(14) 14 गु· स्थानकमां जघन्य कालमां जघन्य काल तथा उत्कृष्ट कालमां उत्कृष्ट काल कया कया गुणठाणानो केटलो ?

(15) क्षपकश्रेणि - उपशमश्रेणि नी व्याख्या लखी क्षपकाश्रयी 10 मा गु·ठाणा ना जघन्यकाल नी घटना करो ।

(16) स्त्रीवेदनो निरंतर काल जणावी बा· प· तेउकायनो कायस्थिति काल केटलो ?

(17) सम्यक्त्वथी जीव पड़तो ज रहे, पड़तो ज रहे तो केटला काल सुधी निरंतर पड़े अने तेना आस्वादने माणे ते जणावी सर्वथा पापव्यापार रहित जीवो बने तो सतत केटला काल सुधी ?

(18) छट्ठा गुणठाणे जीव १ समय रही क्षपक के उपशम श्रेणि मांडी शके के नहीं ? केम ?

(19) जघन्य आयुः वाला देवोनी जाति बतावी अजघन्योत्कृष्ट आयुः वाला देवोना भेद १९८ मांथी केटला ?

(२०) कया अपर्याप्त जीवमां पांचे भाव घटी शके तेम जणावी अभव्यो वधु के ४था गु·ठाणा थी पतन पामेला जीवो वधु ?

प्र. २ नीचेनी गाथा क्रमशः लखवो, मूलमात्र । गमे ते बे भाग 5 मार्क्स

(१) ईसाणे थी किंचिहिया पद अंत सुधी

(२) सुहुमा वणा थी सव्वेवि पदसुधी

(३) सासायणाइं थी असंखेसु पदसुधी

प्र. ३ नीचेना भाववाली गाथानो अर्धमात्र लखवो । गमे ते-३ 5 मार्क्स

(१) प्रभा गु. स्थानक नी स्पर्शना

(२) उपशम सम्यक्त्वनो काल

(३) मनवगरना कानवालाओनो विरहकाल

(४) अल्पबहुत्वमां बीजी नरकनो बोल

उत्तर - प्र. १

(१) [१३३ पलुं] (२) [१३५] (३) [१३७] (४) [१३२]

(५) (६) (७) [१५२] (८) [१५१]

(९) [१५२] (१०) [नथाय] [१६०] (१२) [१६६]

(१३) [१७७] (१४) (१५) (१६) [१९७ - २०१]

(१७) [२०७ - २०१] (१८) प्रश्नोत्तरी ३५-३६ (१९) प्रश्नोत्तरी ३०।३१

(२०) प्रश्नोत्तरी 55 - 58

प्र. २ (१) [६८ थी ७०] (२) [77 थी 79] (३) [२२ थी २५]

प्र. ३ (१) [३३ अथवा ३०] (२) [५२]

(३) [57] (४) [६७]